अनुवाद दुनिया को जोड़ने का जरिया है : सफिकुन्नबी सामादी

जासं, नई दिल्ली: साहित्य अकादमी ने मंगलवार को प्रतिष्ठित प्रेमचंद महत्तर सदस्यता बांग्लादेश के प्रख्यात लेखक और अनुवादक प्रो. सफिकुन्नबी सामादी को प्रदान की। उन्हें सदस्यता साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक द्वारा प्रदान की गई। प्रो. सामादी ने कहा, मैं भारतीय उपमहाद्वीप को जोड़ना चाहता हूं और यह काम भाषाओं के जोड़ने से ही संभव होगा। हिंदी, उर्दू में अनुवाद के जरिए मैं पहले घर, फिर पड़ोस और फिर दुनिया को जोड़ने का काम करना चाहता हूं। मैं जब अनुवाद करता हूं तो एक संस्कृति को अनूदित करता हूं। यह मानता हूं कि यह काम धीरे-धीरे एक कारवां का रूप लेगा। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने प्रो. सामादी का स्वागत करते हुए प्रशस्ति-पाठ किया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि मानचित्र पर जितनी भी सीमाएं हो, लेकिन साहित्य हर सीमा के प्रतिबंध से स्वतंत्र होता है।

सफिकुन्नबी सामादी